जनसम्पर्क कार्यालय : एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, जबलपुर

समाचार

स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर को मिला आईएसओ सर्टिफिकेशन अवार्ड

जबलपुर, 16 अक्टूबर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर को इनफार्मेशन सिक्युरिटी मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसएमएस) के कार्यान्वयन के लिए आईएसओ सर्टिफिकेट 27001:2013 अवार्ड प्रदान किया गया है। यह प्रमाणीकरण मेवरिक क्वालिटी एडवाइजरी सर्विसेज प्रा.लि. नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर देश में प्रथम ऐसा स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर है जिसे आईएसओ 27001:2013 सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है।

स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर में स्थापित विभन्नि कम्प्यूटरीकृत प्रणालियों की साइबर अटैक से सुरक्षा हेतु अपने क्रिटिकल सूचना प्रौद्योगिकी तथा संचार इंफ्रास्ट्रक्चर का आडिट करवाया और आईएसओ 27001:2013 सर्टिफिकेट प्राप्त किया। ज्ञात हो कि स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर पूर्व से ही आइएसओ 9001:2015 धारक है।

इस महत्वपूर्ण सेंटर को आईएसओ 27001:2013 सर्टिफिकेट मिलने पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री पी.ए.आर. बेंडे तथा मुख्य अभयिंता श्री के.के. प्रभाकर ने लोड डिस्पेच सेंटर के अधकिारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए बधाई दी।

लोड डिस्पेच सेंटर की कार्यप्रणाली- प्रदेश की विद्युत प्रणाली की निगरानी, नियंत्रण एवं संचालन स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर द्वारा किया जाता है। पूरे प्रदेश में कहीं भी विद्युत आपूर्ति में व्यवधान आने पर, स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर द्वारा त्वरित कार्यवाही कर विद्युत आपूर्ति बहाल की जाती है। चूंकि स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर का दायित्व पूरे प्रदेश की विद्युत व्यवस्था का सुचारू एवं सुरक्षति संचालन सुनिश्चति करना है अत: स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर में सभी

उपकेन्द्रों एवं विद्युत उत्पादन गृहों का वास्तविक समय का डेटा उपलब्ध होना आवश्यक है एवं सभी उपकेन्द्रों एवं उत्पादन गृहों के साथ विश्वसनीय संचार भी जरूरी है।

इस हेतु स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर में कम्प्यूटरीकृत स्काडा/ईएमएस सिस्टम, यूनिफाइड रियल टाइम डायनामिक मेजरमेंट सिस्टम (यूआरटीडीएसएम), उपलब्धता आधारित दर एवं खुली पहुंच सिस्टम, नेटवर्क मैनेजमेंट सिस्टम (एनएमएस) फार फाइबर आप्टकि आधारित वाइडबैंड कम्युनिकेशन सिस्टम, सीसीटीवी आधारित निगरानी प्रणाली, विडिया कांफ्रेंसिंग एण्ड वाइस रिकार्डिंग सिस्टम, रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट सेंटर (आरईएमसी) इत्यादि स्थापित है। इन संवेदनशील प्रणालियों में साइबर अटैक की स्थिति में भी प्रदेश की विद्युत व्यवस्था का सुचारू संचालन सुनिश्चति किया जा सके, इसके लिए इन सभी प्रणालियों को साइबर सिक्योरिटी कम्पलाइंट होना जरूरी है।

<u>समाचार क्रमांक: 303/2019</u>

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी